

समय तक काम को जारी रखने की नियमित व्यवस्था करना, जैसा कि प्रायः फैक्टरियों तथा विद्यालयों में होता है।

दोफसली वि. (फा.) 1. रबी और खरीफ दोनों फसलों में पैदा होने वाला (अन्न) 2. वर्ष में दो बार फल देने वाला (वृक्ष) 3. दोनों फसलों में जोती जाने वाली (जमीन)।

दोमंजिला वि. (फा.) दो मंजिलों वाला मकान, दोतल्ला, दुमंजिला।

दोमट/दुमट स्त्री. (तत्.) चिकनी और बलुआ दोनों प्रकार की मिली-जुली मिट्टी।

दोमुँहा पुं. (तत्.) दे. दुमुँहा।

दोयम वि. (फा.) द्वि, द्वितीय, दूसरे दर्जे का, दो की क्रमसूचक संख्या।

दोर्दंड पुं. (तत्.) 1. डंडे के समान कठोर भुजाओं वाला व्यक्ति 2. डंडे के समान कठोर भुजा।

दोल पुं. (तत्.) 1. झूला, हिंडोला 2. झूल 3. डोली।

दोलन पुं. (तत्.) 1. किसी लटकी हुई वस्तु का बार-बार दोनों ओर झूलना जैसे- घड़ी के पेंडुलम का 2. भौ. गति का आवर्ती परिवर्तन अर्थात् झूलती हुई वस्तु के एक दिशा से दूसरी दिशा में जाने तथा वापस अपने स्थान पर आने के बीच की समस्त स्थितियों का अनुक्रम 3. कंपन।

दोलनदर्शी पुं. (तत्.) भौ. एक उपकरण जो विद्युत संबंधी दोलनों को दृश्य प्रतिबिंबों में परिवर्तित कर परदे पर दिखलाता है।

दोलनमापी पुं. (तत्.) भौ. वह उपकरण जो वैद्युत दोलनों की गति, लंबाई, बारंबारता आदि का मापन करता है।

दोलनलेखी पुं. (तत्.) भौ. 1. वह उपकरण जो द्रुतपरिवर्ती वैद्युत दोलनों की गति, लंबाई, बारंबारता इत्यादि को दृश्य प्रतिबिंबों के रूप में तत्काल रिकॉर्ड कर लेता है 2. ऊपर लिखे हुए रिकॉर्ड का लेखाचित्र तुल. दोलनदर्शी, दोलनमापी।

दोलनी वि. (तत्.) दोलन उत्पन्न करने वाला या दोलन से युक्त।

दोला स्त्री. (तत्.) 1. झूला, हिंडोला 2. पालकी, डोली 3. किसी भी वस्तु का हिलना-डुलना, दाएँ-बाएँ या ऊपर-नीचे गति करना, अस्थिरता 4. घटना-बढ़ना 5. मन की अस्थिरता, दृढ़ न रह पाना 6. संदेह या अनिश्चय की स्थिति।

दोलायमान वि. (तत्.) 1. हिलता-डुलता हुआ, गति करता हुआ, चलायमान 2. घटता-बढ़ता हुआ 3. अस्थिर, झूलता हुआ, चंचल।

दोलायित वि. (तत्.) 1. दोलायमान, चंचल 2. दोलायमान किया हुआ।

दोलिका स्त्री. (तत्.) छोटा झूला, छोटी पालकी।

दोलित्र पुं. (तत्.) भौ. दोलनों के प्रयोग से वांछित आवर्तन उत्पन्न करने वाला उपकरण या यंत्र जैसे- दिष्ट धारा (डी.सी) को प्रत्यावर्ती धारा (ए.सी) में बदलने वाली युक्ति।

दोली पुं. (तत्.) दे. दोलिका।

दोलोत्सव पुं. (तत्.) 1. झूलने का उत्सव 2. देवमूर्ति आदि को झूले में झुलाने का समारोह।

दोष पुं. (तत्.) 1. बुराई, खोट, त्रुटि 2. धर्म. बुरा व्यवहार, पाप 3. आयु. त्रिदोषों (वात, पित्त, कफ) में से प्रत्येक 4. विधि. चूक, नुक्स, खराबी 5. विधि. कोई आपराधिक क्रिया 6. कानून का अतिक्रमण, अतिलंघन या उल्लंघन 7. विधि. आरोपित अपराध जो अभी सिद्ध होना है 8. कंप्यू. कंप्यूटर-यंत्र में आया हुआ बाधक या नाशक विकार 9. भाषा. भाषा प्रयोग की अशुद्धियाँ, त्रुटि 10. काव्य. रस निष्पत्ति में बाधक तत्त्व मुहा. दोष देना/लगाना/मढ़ना/लादना- किसी कार्य में कोई कमी होने, भूल होने या काम खराब हो जाने की स्थिति में (स्वयं को निर्दोष बताते हुए) किसी अन्य व्यक्ति को या परिस्थिति आदि को उत्तरदायी ठहराना; दोष निकालना- दूसरों के कार्य में कमी बतलाना।

दोषघ्न वि. (तत्.) दोष को नष्ट करने वाला आयु. शरीर के वात, पित्त, कफ दोषों को दूर करने वाली (औषध)।